

28⁶/₂₀₁₈

पत्रावली राजाव लोक अजलत / केन्द्र कोर्ट
विगो।लिया पर पेश की वकील प्रार्थी उक्त
पेशकार को पद तद्वीलात् विगो।लिया उक्त जज
प्रकृत। प्रति वकील प्रार्थी को खिलाए गए
पुकार का डेट पर निगाले हुए अजलत
फिरा जाय

वकील प्रार्थी नं प्रार्थनापत्र 136 रा. 2. रा. के अलावा
दिए गए प्रकृत का डिसेन डिग्री के अंत विगो।लिया
की आराजी नं 303/3 रकल। बेचा 2 कि लीलादेवी
पति केलाश चन्द केन सा. उ. ए. के नाम से की
प्रार्थी का आका काई शशांक का मत का कोर्ट
परानपत्र के नाम लालीदेवी है। किन्तु शशांक
शशांक के नाम लीलादेवी है। उक्त लीलादेवी ने 2015
लीलादेवी नाम शुद्ध कपता ~~रकल~~ - यानी की प्रार्थी
ने बेचि विडिफाई किन्ते 20.12. 2003 के डेट पर
जिसे नाम लीलादेवी उक्त की लीलादेवी नाम शुद्ध
फिरा जाना उचित नही है

वकील प्रार्थी का तर्क है, कि लाली देवी के
प्रार्थी का नाम लालीदेवी है उक्त शशांक के नाम
नाम शुद्ध कपता कपता।

पत्रावली के केलाश विडिफाई की कोर्ट कोर्ट के
प्रार्थी नं वर्ष 2003 के बेचि कपता है जिसे की
नाम लीलादेवी की जब बेचि कपता लीलादेवी के
नाम के उक्त है तब अज लालीदेवी फिरा जाना
उचित नही है

प्रकृत प्रार्थनापत्र 136 रा. 2. के. के. के. के.

फिरा जाय
पत्रावली नं 303/3 रकल के अंत
के अंत है